ऊँचे स्वर में पढ़ने का आनंद

किताबों में देखकर और ऊँचे स्वर में पढ़ कर बच्चों को सुनाने के कई कारण हैं, तब शुरू करें जब वह बहुत छोटे हों और तब तक जारी रखें जब तक कि वह अपने आप पढ़ने न लग जाएं। यह आराम और नज़दीकी के क्षणों का आनंद उठाने का समय है, रुचिआँ बताने का और दुनिया को जाँचने का समय है। इस के अलावा, विशेषज्ञों की सलाह है कि बच्चे के साथ रोज़ाना २० मिनट पढ़ने से उनके लिए स्कूल में सफलता के मौकों को बढ़ावा मिलता है।

आपके पढ़ने के समय का अधिक लाभ उठाने के लिए यहाँ कुछ तरीके दिए गए हैं।

शुरुआत की स्थिति (The starting position)
आपकी शारीरिक स्थिति आपकी दिलचस्पी और बच्चों के लिए ध्यान रखने के बारे में बहुत कुछ संचार करती है। अपने आप को बच्चे के बराबर रखें, सोफे या बिस्तर पर बैठें या ज़मीन पर इकट्ठे बैठें।

उम्र के अनुसार किताब चुने (Suit the book to the age)
बच्चे किताबों को अपनी सारी इंद्रिओं के साथ जाँचते हैं, जिस में स्वाद भी शामिल है, इस लिए कपड़े या गत्ते की जिल्द (आवरण-पृष्ठ) वाली किताबें चुने जो कि काफी घिसाई सह सकें। इसके बाद, शिशु किताब के एक पन्ने पर एक तसवीर का नाम लेना ही पसंद करते हैं। धीरे धीरे, बच्चे किताब की कहानियों में भी दिलचस्पी दिखाना शुरू कर देते हैं, पहले बहुत सादी कहानियां, और फिर लंबी और पेचीदा कहानियां। कुछ समय तक, यानि कि कुछ दिनों या हफ्तों तक, हो सकता है कि आप लंबी किताबें पढ़ना शुरु कर दें, पर एक समय पर एक अध्याय (पाठ) ही।

उनकी पसंद का ध्यान रखें (Follow their interests)
ऐसी किताब चुनें जो कि बच्चे की उम्र और पसंद के अनुसार हो। हो सकता है छोटे बच्चे आपके किताब के आखरी पन्ने तक पहुंचने से पहले ही किताब में रुचि खो दें। कोई बात नहीं आपका लक्ष्य है पढ़ने को मज़ेदार बनाना, न कि किताब के अंत तक पहुंचना।

किताब के विष्य वस्तु को अनुकूल बनाएं (Adapt the text)
आप किताब को बच्चे की उम्र के अनुकूल बना सकते हैं। छोटे बच्चों को, सिर्फ तसवीरों के बारे में बताएं और कहानी को अपने शब्दों में बताने की कोशिश करें। आप पात्रों के नाम बदल कर उन लोगों के नामों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनहें बच्चा जानता है।

बच्चों का ध्यान खीचें (Catch children's attention)
शोख़ रंग और साफ तसवीरें बच्चों का ध्यान आकर्षित करती हैं। आप एक छटपटाते हुए बच्चे का ध्यान गतीमान हिस्सों वाली किताब की तरफ आकर्षित कर सकते हैंःऊपर उठने वाले फलैप वाली किताब, दृश्य उजागर होने वाली किताब, टुकड़े खाँचों में जाने वाली किताब। उनकी दिलचस्पी जिसे आप जानते हैं, उसे आधार बना कर आगे बढ़ें: कोई क्रिया जो उनको पसंद है, कोई जानवर जो उन को आकर्षित करता है।

पढ़ने को नाटकीय बनाएं (Make your reading dramatic)
आपका कहानी को पढ़ने का नाटकीय अंदाज़ भी बच्चों का ध्यान कहानी में लगाए रखता है। नर्सरी की कविताओं में जो ताल है उस पर ज़ोर दें। भावों का प्रयोग करें और तस्वीर में उस चीज़ की तरफ इशारा करें जिस के बारे में आप बात कर रहे हों। कहानी के अलग अलग पात्रों के लिए अपनी आवाज़ बदल लें और जानवरों वाली आवाज़ें निकालें। बच्चों को आपकी नकल उतारने के लिए प्रोतसाहित करें और इस का मिलजुल कर आनंद उठाएं।

बच्चों को शामिल करें (Involve children)
जब बच्चों ने एक कहानी कई बार सुन ली हो, तो आप थोड़ा रुक कर उनसे कहानी के अगले शब्दों के बारे में पूछ सकते हैं। कुछ कहानियों में दुबारा दुबारा आने वाले शब्द होते हैं जो कि आपके लिए यह आसान बना देते हैं, कुछ शब्द जो आप जब दोहराते हैं तो बच्चे आपके साथ साथ दोहराएंगे। बच्चे को किताब का पन्ना पलटने की छूट दे कर भी बच्चे का ध्यान पढ़ाई में लगा कर रखा जा सकता है।

सवाल पूछें (Ask questions)
समय समय पर कहानी को रोक कर कहानी की तसवीरो या कहानी के बारे में सवाल पूछें। जब अभी बच्चे ने बोलना भी नहीं सीखा होता आप बच्चे को पूछ सकते हैं, "क्या तुमहे पता है कि भेड़िआ कहाँ पर छुपा हुआ है?" अगर कोई बच्चा गिनती करना सीख रहा है तो आप बच्चे को पूछ सकते हैं, "तुमहे इस पन्ने पर कितनी बिल्लियाँ नज़र आ रही हैं?" बड़े बच्चों को क्रियाशील बनाने के लिए पूछें, "आप क्या सोचते हैं जब छोटी लड़की दरवाज़ा खोलेगी तो क्या होगा?"

सवालों के जवाब दें (Respond to questions)
बच्चों के सवालों के जवाब देने के लिए भी समय निकालें। जो बच्चे अभी ज़्यादा शब्द नहीं भी बोल सकते, हो सकता है कि वह किताब की किसी तसवीर की तरफ इशारा करें और यही उनका सवाल हो। बच्चे जिस तरफ इशारा करें उस चीज़ नाम ले कर जवाब दें । बड़े बच्चे यह पूछ सकते हैं कि किसी पात्र ने इस तरह क्यों किया। अपनी कहानी को बीच में रोक कर उनके विचारों के बारे में बात चीत करें।

बार बार पढ़ें (Over and over again)
बच्चे एक किताब को बार बार सुनना चाहते हैंःजब कि कई वयस्क चाहते हैं कि कुछ और किस्म की किताब पढ़ी जाए। परिचित सामग्री की इस चाहत के लिए धीरज रखें। बच्चों के लिए दोहराना शब्द सीखने, धारणाएं जानने और किताब की कहानियों को सीखने का एक तरीका है।

इसी तरह करते रहें (Keep it up)
जब आपके बच्चे अपने आप पढ़ना शुरु कर देते हैं, तो आप बारी बारी एक दूसरे को पढ़ कर सुना सकते हैं। यह इकट्ठे किताबें पढ़ते हुए गुज़ारे हुए पल कई सालों तक आपको याद रहेंगे।

द्वारा बैटसी मान

L'Association canadienne des programmes de ressources pour la famille

Les plaisirs de la lecture à haute voix

Il y a plein de raisons de regarder des livres et de les lire à haute voix aux enfants, à partir d'un très jeune âge et continuant bien après qu'ils peuvent lire eux-mêmes. C'est l'occasion de passer ensemble des moments de détente et d'intimité, de partager des intérêts et d'explorer le monde. En outre, les experts suggèrent que lire aux enfants 20 minutes par jour contribue grandement à leur succès scolaire.

Voici quelques suggestions pour tirer profit de votre temps de lecture.

La position du départ

Votre position physique communique votre intérêt et votre affection. Placez-vous à la hauteur de l'enfant, câlinant ensemble sur le sofa ou le lit ou assis par terre.

Choisir le livre selon l'âge

Les bébés explorent les livres à travers tous les sens, incluant le goût, alors choisissez les livres cartonnés ou en tissu qui résisteront à cet usage. Plus tard, les tout-petits s'intéressent à nommer les choses dans les livres qui ont une image par page. Les enfants apprennent graduellement à écouter les histoires dans les livres. D'abord ils aiment les histoires très simples; ensuite, peu à peu, ils prennent goût à des histoires plus complexes et longues. Éventuellement, vous pourrez lire de plus longs livres, étalés sur des jours ou même des semaines, un chapitre à la fois.

Suivre leurs intérêts

Choisissez un livre selon l'âge et les intérêts des enfants. Les plus petits perdent souvent l'intérêt avant d'arriver à la dernière page. C'est normal. Le but est de prendre plaisir à la lecture, pas nécessairement de finir le livre.

Adapter le texte

Vous pouvez adapter le texte à l'âge des enfants auxquels vous lisez. Pour les très jeunes, décrivez simplement les images ou contez l'histoire dans vos propres mots. Vous pourriez même changer les noms des personnages en substituant les noms des personnes connues par les enfants.

Attirer leur attention

Les enfants sont attirés par les couleurs vives et les illustrations claires. Vous pouvez intéresser un enfant qui bouge beaucoup en lui offrant des livres qui bougent aussi : des rabats qu'on lève, des scènes en trois dimensions, des morceaux que l'on glisse dans des fentes. Partez de ce qui l'intéresse déjà : une activité qu'il aime, un animal préféré.

Rendez votre lecture dramatique

Vous pouvez aussi maintenir l'intérêt en rendant votre lecture dramatique. Mettez l'emphase sur le rythme dans les comptines. Utilisez des gestes et pointez du doigt les images dont vous parlez. Changez votre voix selon les différents personnages et faites les sons des animaux. Encouragez les enfants à partager le plaisir en vous imitant.

Impliquez les enfants

Quand les enfants ont déjà entendu une histoire à plusieurs reprises, vous pouvez solliciter leur participation. Faites un petit arrêt pour leur permettre de dire les prochains mots. Certaines histoires ont un refrain qui facilite cette astuce, par exemple les paroles du loup qui menace de souffler sur les maisons dans « Les trois petits cochons ». Même laisser l'enfant tourner la page peut suffire pour le faire participer.

Poser des questions

De temps en temps, arrêtez pour poser une question au sujet des illustrations ou de l'histoire. Même avant qu'un enfant puisse parler, vous pouvez demander « Vois-tu où se cache le loup? ». Si un enfant apprend à compter, demandez « Combien de chats vois-tu dans l'image? ». Encouragez la réflexion chez les plus grands en demandant « Que penses-tu va arriver si Boucle d'or mange le gruau? ».

Répondre aux questions

Prenez le temps de répondre aux questions des enfants aussi. Chez les enfants qui n'ont pas encore beaucoup de mots, le fait de pointer une partie de l'illustration peut être une question. Répondez à son intérêt en nommant ce que pointe l'enfant. Les plus âgés voudront peut-être savoir pourquoi un personnage a fait quelque chose. Faites une pause dans la lecture pour discuter de leurs idées.

Encore et encore

Les enfants adorent entendre la même histoire encore et encore, au désespoir de plusieurs adultes qui préféreraient plus de variété. Soyez patient face à leur préférence pour ce qui est bien connu. La répétition permet à l'enfant de maîtriser les mots, les concepts et l'histoire contenus dans le livre.

Maintenez l'habitude

Une fois que vos enfants sont capables de lire seuls, vous pouvez lire à haute voix, chacun son tour. Les sentiments agréables de ces moments de plaisir, passés à partager des livres, se prolongeront pendant des années.

par Betsy Mann

FRP Canada 707 - 331, rue Cooper, Ottawa ON K2P 0G5 1-866-637-7226 www.frp.ca